भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001

फ़ाइल् क्रमांक **F.No. :** टेक **10-6/2021** दिनांक **Date: 09.08.2021**

YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553
Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

कृषकों से निवेदन है कि कृषि कार्य के संयोजन में स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार या स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करें .

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह @Advisory for Soybean Farmers
(9-15अगस्त / 9-15 August 2021)

इस वर्ष मानसून के देरी से आगमन, असामान्य वितरण तथा प्रारंभिक अवस्था में ही सूखे के कारण कुछेक क्षेत्रों में सोयाबीन की बोवनी भी देरी से हुयी. इसलिए कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल 30-40 दिन की है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह 40-50 दिन की अवधि पूर्ण कर चुकी हैं. देरी से बोवनी वाले खेतो में सोयाबीन की पर्याप्त बधवार नहीं हो पाई हैं. वर्तमान में सोयाबीन की फसल जैविक समस्याओ (कीट/रोग) का सामना करना कर रही हैं. अतः इस स्थिति को देखते हुए निम्नानुसार सलाह है:

अ. रोग नियंत्रण हेतु अनुशंसित सलाह

1	मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ जिलों में सोयाबीन की फसल पर कही-कही पिला मोज़ेक वायरस या कही-कही सोयाबीन मोज़ेक वायरस के लक्षण देखे गए हैं. पिला मोज़ेक वायरस से ग्रसित पौधों में सोयाबीन की उपरी पत्तियों पर पीले रंग के चितकबरे पीले-हरे धब्बे बनते है। (छायाचित्र देखे)। पत्तियों का यह पीलापन धीरे-धीरे बढ़कर फैलने लगता है तथा पत्तियां सिकुड़ कर टेढ़ी-मेढ़ी हो जाती है। इसको अन्य स्वस्थ पौधों पर फ़ैलाने के लिए सफ़ेद मक्खी वाहक का कार्य करती हैं. जबकि सोयाबीन मोज़ेक वायरस में सोयाबीन की उपरी पट्टियां चमड़े के जैसी होकर गहरे हरे रंग में परावर्तित होती हैं (छायाचित्र देखे). इस बीमारी को अन्य स्वस्थ पौधों पर फ़ैलाने के लिए माहू (एफिड) वाहक का कार्य करते हैं. इन दोनों वायरस जनित रोगों के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि प्रारंभिक अवस्था में ही ग्रसित पौधों को उखाड़कर तुरंत खेत से निष्काषित करें तथा सफ़ेद मक्खी व एफिड जैसे रस चूसने वाले इन वाहक कीटों के नियंत्रण हेतु अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. यह भी सलाह हैं कि रोग-वाहकों की रोकथाम हेतु अनुशंसित पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे) का छिड़काव करें. (इन दवाओं के छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है)	 **पिला मोज़ेक वायरस** सोयाबीन मोज़ेक वायरस

	Symptoms of Yellow Mosaic and/or Soybean Mosaic infection caused by virus has been seen in certain districts of Madhya Pradesh and Maharashtra. In case of YMV, small yellow patches or spots appear on young leaves initially. The yellow discoloration slowly increases and newly formed leaves may completely turn yellow. Infected leaves also show severe mottling and crinkling of leaves. While, In case of Soybean Mosaic the lettering of leaves blades become puckered along with veins and curled downward. The disease is further transmitted through Aphids. For control of YMV as well as SMV diseases, farmers are advised to destroy the affected plant/part immediately in the initial stage and install Yellow Sticky Traps at different locations in the field. It is also advised to spray the crop with Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) or Thiomethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha). These chemicals are also useful for control of stem fly infestation.	 Yellow Mosaic Viras सोयाबीन मोज़ेक वायरस
2	कुछ क्षेत्रों की सोयाबीन फसल में एन्थ्राक्नोज तथा रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों के लक्षण देखे गए हैं. इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं की टेबूकोनाजोल (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल+सल्फर (1 किग्रा/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20 डब्लू.जी. (500 ग्राम/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्सीकोनाजोल (750 मिली/हा) या फ्लुक्सापायरोक्साड (300 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल + ट्रायफ्लोक्सीस्ट्रोबिंन 350 ग्रा /हे का छिडकाव करें. An infestation of Anthracnose and Rhizoctonia Aerial Blight has been noted in certain areas. Farmers are advised to spray the crop with Tebuconazole (625 ml/ha) or Tebuconazole + Sulphur (1 kg/ha) or Pyroclostrobin 20 WG (500 g/ha) or Pyroclostrobin + Epoxiconaxole (750ml/ha) or Fluxapyroxad + Pyroclostrobin (300 ml/ha) or Tebuconazole+Trifloxystrobin (350 g/ha).	 रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट **Rhizoctonia Aerial Blight** एन्थ्राक्नोज **Anthracnoxse**

ब. मौसम के पूर्वानुमान पर आधारित कीटों के प्रकोप की जिलेवार/क्षेत्रवार सूचना

अगले सप्ताह के लिए मौसम के पूर्वानुमान सम्बन्धी आंकड़ो एवं तदनुसार कीटों के प्रकोप के विश्लेषण के आधार पर सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में निम्न कीड़ो का प्रकोप होने/अधिक बढ़ने की सम्भावना हैं. कृषकों से अनुरोध हैं की समुचित नियंत्रण के लिए यथासंभव उपाय अपनाये. Based on the expected weather situation, farmers of the following districts/area are hereby informed to take appropriate measures for management of following insects.

तम्बाकू इल्ली (एकल)/ Spodoptera Solitary Larva	**कर्नाटक/ Karnataka**	गदग/Gadag, और गुलबर्गा/Gulbarga
	मध्य प्रदेश/ Madhya Pradesh	छिन्दवारा/Chhindwara, धार/Dhar, मंडला/Mandla, और खरगोन/Khargone
	महाराष्ट्र/ Maharashtra	अकोला/Akola, अमरावती/Amravati, जलगाँव/Jalgaon, नागपुर/Nagpur, नांदेड/Nanded, नाशिक/Nashik, रायगढ़/raigarh, रत्नागिरी/रत्नागिरी, सांगली/Sangli, सोलापुर/Solapur और वर्धा/Wardha
	राजस्थान/ Rajasthan	भीलवारा/Bhilwara, चित्तौरगढ़/Chittaurgarh, और उदयपुर/Udaipur

अर्ध कुंडलक हरी इल्ली / Green Semilooper	**कर्नाटक/ Karnataka**	चित्रदुर्गा/Chitradurga, दक्षिण कन्नड़/Dakshin Kannada, धारवाड़/Dharwad और उत्तर कन्नड़/Uttar Kannada
	मध्य प्रदेश/ Madhya Pradesh	छतरपुर/Chhatarpur, धार/Dhar, गुना/Guna, इंदौर/Indore, जबलपुर/Jabalpur, मंडला/Mandla, रायगढ़/Raigarh, रतलाम/Ratlam, रीवा/Rewa, सतना/Satna, सीधी/Sidhi, सिवनी/Seoni, टीकमगढ़/Tikamgarh, उज्जैन/Ujjain, और उमरिया/Umaria
	महाराष्ट्र/ Maharashtra	अकोला/Akola, अमरावती/Amravati, गोंदिया/Gondia, कोल्हापुर/Kolhapur, नागपुर/Nagpur, नाशिक/nashik, परभानी/Parbhani, पुणे/Pune, रायगढ़/raigarh, रत्नागिरी/ratnagiri, सांगली/Sangli, सतारा/satara और वर्धा/Wardha
	राजस्थान/ Rajasthan	भरतपुर/bharatpur, भीलवारा/Bhilwara, चित्तौरगढ़/Chittaurgarh और उदयपुर/Udaipur
चने की इल्ली / *Helicoverpa armigera*		
	महाराष्ट्र/ Maharashtra	नाशिक/Nashik, रायगढ़/raigarh, रत्नागिरी/ratnagiri, सांगली/Sangli और सतारा/satara
	राजस्थान/ Rajasthan	उदयपुर/Udaipur
चक्रभृंग / Girdle Beetle	**कर्नाटक/ Karnataka**	चिक्मंग्लुरु/Chikmangluru, और गुलबर्गा/Gulbarga
	मध्य प्रदेश/ Madhya Pradesh	दतिया/Datia, धार/Dhar, इंदौर/Indore और सिवनी/Seoni, उज्जैन/Ujjain, और खरगोन/Khargone
	महाराष्ट्र/ Maharashtra	अकोला/Akola, अमरावती/Amravati, नांदेड/Nanded, नाशिक/Nashik, रायगढ़/raigarh, सांगली/Sangli, वर्धा/Wardha और वाशिम/Washim
	राजस्थान/ Rajasthan	अजमेर/ajmer, भीलवारा/Bhilwara, चुरू/Churu, जयपुर/Jaipur, और टोंक/Tonk
	आंध्र प्रदेश/Andhra Pradesh	पूर्व गोदावरी/East Godawari, और गुंटूर/Guntoor

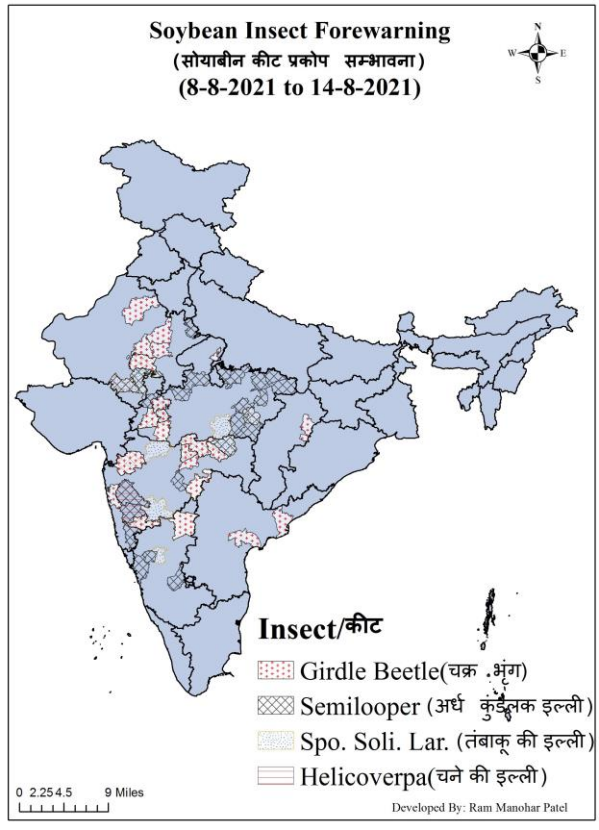

स. कीट नियंत्रण हेतु अनुशंसित सलाह

3	चक्र भृंग के नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 750 मिली/हे या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (1250 मि.ली/.है) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425 मिली/ है.) का 500 लीटर पानी के साथ 1 हेक्टेयर में छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें. For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant part as well as spraying with Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) or Profenophos 50 E.C. (1.25 l/ha) or Emamectin Benzoate 1.9% E.C. (425 ml/ha) using 500 liter of water.	 Damage Symptoms of Girdle Beetle चक्र भृंग के लक्षण
4	चक्र भृंग तथा पत्ती खानेवाली इल्लियों के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्वमिश्रित कीटनाशक नोवाल्युरौन + इन्डोक्साकार्ब (850 मिली/है) या बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम़ + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/.है) का छिडकाव करें. इनके छिडकाव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता हैं. For control of girdle beetle as well as defoliators simultaneously, farmers are advised to apply Spray of pre-mix insecticide Novaluron 5.25% + Indoxacarb 4.5% SC @ 850 ml/ha or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) or Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This is also useful in controlling the infestation of Stem Fly.	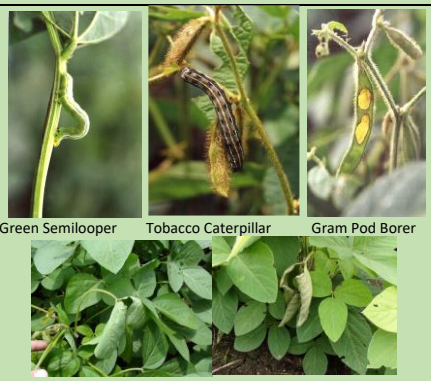 Green Semilooper Tobacco Caterpillar Gram Pod Borer
5	जहा पर केवल चने की इल्ली (हेलिकोवेर्पा अर्मिजेरा) का प्रकोप हो, इसके नियंत्रण के लिए फेरोमोन ट्रैप (हेलील्युर) लगाये तथा अनुसंशित कीटनाशक इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई .सी. (333मिली/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मिली/हे) का छिडकाव करें.	
6	जिन क्षेत्रो में तना मक्खी का प्रकोप हो, इसके नियंत्रण हेतु या बीटासायफ्लुथ्रिन +इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम़ + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/.है) का छिडकाव करें. For control of stem fly, farmers are advised to apply the spray of Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha).	

द. फसल प्रबंधन/कीट/रोग नियंत्रण के अन्य उपाय

7	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है. Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	 "T" shaped Bird Perches
8	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो. While purchasing any Agri-input, always obtain a *pucca bill* from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	